संख्या-195/2016/811/22-2-2016-17(198)/2016

प्रेषक,

सत्येन्द्र कुमार सिंह,
विशेष सचिव
उत्तर प्रदेश, शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 07 अक्टूबर, 2016***

विषय:- जिला कारागार, कानपुर नगर में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी गया प्रसाद पुत्र भगवानदीन, निवासी जनपद-कानपुर नगर की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-3284/पर-7(एम-20-01-2016) दिनांक-03-02-2016 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, कानपुर नगर में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी गया प्रसाद पुत्र भगवानदीन, निवासी-339 पशुपति नगर थाना-नौबस्ता, जनपद-कानपुर नगर का रहने वाला है। बन्दी ने दो सहअभियुक्तों के साथ मिलकर धोखा-धडी से न्यायिक व्यवस्था को चुनौती देकर मा0 उच्च न्यायालय का कूट रचित व फर्जी निर्णय तैयार कर, विधि विरूद्ध ढंग से स्वयं को लाभ पहुँचाने के आशय से छल कपट कर ए0सी0एम0 चतुर्थ, कानपुरनगर के न्यायालय में प्रस्तुत किया। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-5229/2009 के अन्तर्गत भा0द0वि0 की धारा-420, 467, 468, 471 के अन्तर्गत मा0 विशेष मुख्य न्यायायिक, कानपुर नगर द्वारा दिनांक 15.07.2011 को 07 वर्ष का सश्रम कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 17-08-2015 तक 03 वर्ष 06 माह 09 दिन की अपरिहार तथा 04 वर्ष 06 माह 21 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी का जेल में आचरण संतोषजनक है। बन्दी का 01 सहअभियुक्त की मा0 न्यायालय के समक्ष कभी-भी उपस्थिति न होने के कारण दिनांक 25.01.2007 द्वारा पृथक किया गया, 01 सहअभियुक्त को मा0 न्यायालय द्वारा दोषमुकत् किया गया है। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बन्दी द्वारा पुन: अपराध किये जाने की सम्भावना बनी हुई है, बन्दी पुन: अपराध करने में अशक्त नहीं होने, की आख्या अंकित करते हुए बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। जिला मजिस्ट्रेट, कानपुर नगर ने बन्दी के अभिभावक को उपयुक्त बताते हुए बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति की है। प्रोबेशन बोर्ड ने बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा किये गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्वदोष बन्दी गया प्रसाद पुत्र भगवानदीन, निवासी जनपद-कानपुर नगर को प्रोबेशन पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपरोक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेयक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी गया प्रसाद (बन्दी संख्या-190/12) पुत्र भगवानदीन, निवासी जनपद-कानपुर नगर के फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति शासन द्वारा अस्वीकार कर दी

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतदद्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,

(सत्येन्द्र कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

संख्या-195/2016/811(1)/22-2-2016 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, कानपुर नगर।

2- अधीक्षक, जिला कारागार, कानपुर नगर

3- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सत्येन्द्र कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश सख्ंया-195/2016/811@22-2-2016-17(198)/2016

दिनांक 07 अक्टूबर, 2016 का संलग्नक

सरकार के आदेश

प्रस्तावानुसार जिला कारागार, कानपुर नगर में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी गया प्रसाद पुत्र भगवानदीन, निवासी-339 पशुपति नगर थाना-नौबस्ता, जनपद-कानपुर नगर का रहने वाला है। बन्दी ने दो सहअभियुक्तों के साथ मिलकर धोखा-धडी से न्यायिक व्यवस्था को चुनौती देकर मा0 उच्च न्यायालय का कूट रचित व फर्जी निर्णय तैयार कर, विधि विरूद्ध ढंग से स्वयं को लाभ पहुँचाने के आशय से छल कपट कर ए0सी0एम0 चतुर्थ, कानपुरनगर के न्यायालय में प्रस्तुत किया। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-5229/2009 के अन्तर्गत भा0द0वि0 की धारा-420, 467, 468, 471 के अन्तर्गत मा0 विशेष मुख्य न्याययिक, कानपुर नगर द्वारा दिनांक 15.07.2011 को 07 वर्ष का सश्रम कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 17-08-2015 तक 03 वर्ष 06 माह 09 दिन की अपरिहार तथा 04 वर्ष 06 माह 21 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी का जेल में आचरण संतोषजनक है। बन्दी का 01 सहअभियुक्त की मा0 न्यायालय के समक्ष कभी-भी उपस्थिति न होने के कारण दिनांक 25.01.2007 द्वारा पृथक किया गया, 01 सहअभियुक्त को मा0 न्यायालय द्वारा दोषमुकत् किया गया है। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बन्दी द्वारा पुन: अपराध किये जाने की सम्भावना बनी हुई है, बन्दी पुन: अपराध करने में अशक्त नहीं होने, की आख्या अंकित करते हुए बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। जिला मजिस्ट्रेट, कानपुर नगर ने बन्दी के अभिभावक को उपयुक्त बताते हुए बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति की है। प्रोबेशन बोर्ड ने बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा किये गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्वदोष बन्दी गया प्रसाद पुत्र भगवानदीन, निवासी जनपद-कानपुर नगर को प्रोबेशन पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है। उक्त के दृष्टिगत सम्यक विचारोपरान्त शासन द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार किये जाने का निर्णय लिया गया है।

(सत्येन्द्र कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।